CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

QUESTION PAPER

From previous CBSE Board Exam questions

Code: 46SMJ0 **Questions: 13** **Maximum Marks: 27** **Generated: 2026-06-15 13:05**

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ
Year	2022-2026
Questions selected	13

Composition — Types: 8 Short · 4 MCQ · 1 Long

Q1. **[1]**

पठित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : वर्तमान समाज में मौजूद शाश्वत मूल्य किसकी देन हैं ? (गिन्नी का सोना)

(a) व्यवहारवादी व्यक्तियों की
(b) आदर्शवादी व्यक्तियों की
(c) प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों की
(d) स्वतंत्रता सेनानियों की

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q10 (i)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.3 गिन्नी का सोना

Q2. **[2]**

'गिन्नी का सोना' पाठ में दिए गए प्रसंग के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q8 (iv)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.3 गिन्नी का सोना | 13.3.2 नैतिक शिक्षा

Q3.

गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर लिखिए कि समाज के पास विद्यमान शाश्वत जीवन मूल्य किनकी देन हैं ।

(a) महात्मा गाँधी की
(b) आदर्शवादियों की
(c) व्यवहारवादियों की
(d) प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों की

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q10 (ii)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.3 गिन्नी का सोना | 13.3.2 नैतिक शिक्षा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q4. **[2]**

'व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। हानि–लाभ का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक यहाँ किस 'सजगता' की बात कर रहा है ?

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q8 (ii)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.3 गिन्नी का सोना | 13.3.2 नैतिक शिक्षा

Q5. **[2]**

'गिन्नी का सोना' के आधार पर लिखिए कि किस तरह के लोग समाज के पतन का कारण बनते हैं और क्यों ?

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q8 (ii)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.3 गिन्नी का सोना | 13.3.2 नैतिक शिक्षा

Q6. **[4]**

“हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए।” ‘झेन की देन’ पाठ से उद्धृत लेखक का यह कथन वर्तमान परिस्थितियों में कहाँ तक सत्य है ? क्या आप इससे सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

Previously asked in: 2022 4/4/1 Q2 (क)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4.1 अनुभव से सीख | 13.4.2 जीवन दर्शन

Q7. **[1]**

पठित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प चुनकर दीजिए : 'झेन की देन' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि मनोरुग्णता से बचाव कैसे किया जा सकता है ?

(a) अमेरिका जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा-भावना का त्याग करके।
(b) अमेरिका जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा में आगे निकल कर।
(c) अतीत और भविष्य की चिंता छोड़ वर्तमान में जी कर।
(d) वर्तमान की चिंता त्याग अतीत और भविष्य में जी कर।

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q10 (ii)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4.2 जीवन दर्शन

Q8. **[3]**

'झेन की देन' पाठ में दिमाग को आराम देने के लिए 'टी. सेरेमनी' का उल्लेख किया गया है, टी. सेरेमनी का वर्णन करते हुए लिखिए कि क्या हमारे देश में भी इस प्रकार का कोई उत्सव या विधि अपनाई जाती है ? स्पष्ट कीजिए।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q11 (ग)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4 झेन की देन | 13.4.1 अनुभव से सीख | 13.4.2 जीवन दर्शन

Q9. **[2]**

'झेन की देन' प्रसंग से लेखक किस तथ्य को उजागर करना चाहता है ?

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q8 (IV)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4 झेन की देन | 13.4.1 अनुभव से सीख | 13.4.2 जीवन दर्शन

Q10. **[2]**

'चा-नो-यू' जैसी परंपराएँ व्यक्ति को आत्मबोध कराती हैं। 'झेन की देन' पाठ के आधार पर इस कथन पर प्रकाश डालिए।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q8 (i)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4 झेन की देन | 13.4.1 अनुभव से सीख | 13.4.2 जीवन दर्शन

Q11. **[4]**

लेखक का जापानी मित्र उसे कहाँ ले गया ? वहाँ के वातावरण से लेखक क्यों प्रभावित हुआ ? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए।

Previously asked in: 2022 4/1/1 Q2 (क)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4 झेन की देन | 13.4.1 अनुभव से सीख | 13.4.2 जीवन दर्शन

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[3]**

'पतझर में टूटी पत्तियाँ' के लेखक के अनुसार 'सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए ।' क्या आप लेखक के विचार से सहमत हैं ? अपने पक्ष के समर्थन या विरोध में तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q11 (क)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4.1 अनुभव से सीख | 13.4.2 जीवन दर्शन

Q13. **[1]**

पठित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 'झेन की देन' पाठ से हमें क्या सीख मिलती है ?

(a) हमें अपने से बड़े देशों से कभी प्रतिस्पर्धा नहीं करनी चाहिए ।
(b) हमें सिर्फ अपने से छोटे देशों से ही प्रतिस्पर्धा रखनी चाहिए ।
(c) हमें वर्तमान से अधिक अतीत और भविष्य की चिंता करनी चाहिए ।
(d) हमें अतीत और भविष्य की चिंता त्याग कर वर्तमान में जीना चाहिए ।

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q10 (ii)

◆ रवींद्र केलकर – पतझर में टूटी पत्तियाँ | 13.4.2 जीवन दर्शन

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories